

AstroHelpDesk



अभ्यास और उपाय

Review Demo

शनि - गुरु - बुध

सिंह · कुंभ

15 जून 1990 · 10:30 · Jaipur, India

आपका निजी संस्करण

सरल शब्द · तारीखें · आधार

काल्पनिक नमूना · उदाहरण के जन्म विवरण

आपकी रिपोर्ट एक नज़र में

Review Demo · 17 अक्टू 2026 · Jaipur, India

पाँच जीवन क्षेत्र · जन्म कुंडली का सहयोग

1	सीख और रचना	28 अंक
2	धन	28 अंक
3	काम	27 अंक
4	दिनचर्या	24 अंक
5	रिश्ते	23 अंक

सर्वाष्टकवर्ग मूल राशि-सहयोग का योग है। यह व्यक्ति का मूल्य या घटना की संभावना नहीं है।

इस संस्करण की चल रही दशा

शनि – गुरु – बुध

काल्पनिक नमूना · उदाहरण के जन्म विवरण

आपका फलादेश एक नज़र में

मुख्य ध्यान

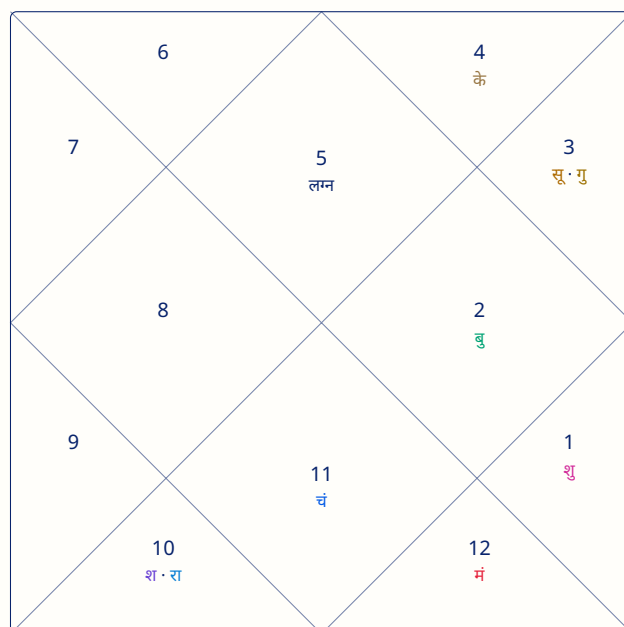
12 सित 2026 – 21 जन 2027 (उम्र 36): बुध के कारण पेशे की जिम्मेदारियों आपके फैसलों में प्रमुख रह सकता है। वृषभ में इसकी स्थिति इस छोटे चरण को उस क्षेत्र की आपकी जिम्मेदारियों से जोड़ती है।

मौजूदा दशा

शनि – गुरु – बुध

फलादेश के साथ रखने योग्य तीन सावधानियाँ

1. लाल किताब शैली का आचरण है: प्रवेश और काम की जगह व्यवस्थित रखें; अनजान वादा पहले जाँचें।
2. पैसा, समय या सार्वजनिक वादा बढ़ाने से पहले दावे की स्वतंत्र जाँच करें।
3. अच्छे सिद्धांत के साथ यह भी जाँचें कि व्यावहारिक विवरण उसे सहारा देते हैं।



जन्म विवरण: 15 जून 1990 · 10:30 · Jaipur, India

जीवन के दौर • महादशा समयरेखा

	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र
1990		2014	2037		2061		2085

ये परंपरागत वैदिक फलादेश हैं, गारंटी नहीं।

अध्याय 1

आपकी असली कुंडली के उपाय

12 सित 2026 – 21 जन 2027 (उम्र 36): बुध के कारण पेशे की जिम्मेदारियों आपके फैसलों में प्रमुख रह सकता है। वृषभ में इसकी स्थिति इस छोटे चरण को उस क्षेत्र की आपकी जिम्मेदारियों से जोड़ती है।

अध्याय 2

मंगल • मांगलिक मंगल • धैर्य से सीधा कदम

17 अक्टू 2026 को मंगल का जन्म प्रभाव अचानक बदलाव से जुड़ा है; अगले दो वर्षों में इसकी महादशा या अंतर्दशा नहीं है। इसका अभ्यास पृष्ठभूमि का स्वैच्छिक विकल्प रखें।

अध्याय 3

राहु • शनि के साथ राहु • महत्वाकांक्षा और धैर्य का विवेक

17 अक्टू 2026 को राहु का जन्म प्रभाव रोजमर्रा के काम से जुड़ा है; अगले दो वर्षों में इसकी महादशा या अंतर्दशा नहीं है। इसका अभ्यास पृष्ठभूमि का स्वैच्छिक विकल्प रखें।

अध्याय 4

शनि • शनि का मौजूदा चरण

17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 में शनि के कारण रोजमर्रा के काम प्रमुख रह सकता है, क्योंकि जन्मकुंडली में यह उसी क्षेत्र में है। इस दौर की जिम्मेदारियों के लिए नीचे दिया निजी अभ्यास चुनें।

गुरु · गुरु · मौजूदा दशा का ध्यान

17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 में गुरु के कारण मित्रों और संपर्कों प्रमुख रह सकता है, क्योंकि जन्मकुंडली में यह उसी क्षेत्र में है। इस दौर की जिम्मेदारियों के लिए नीचे दिया निजी अभ्यास चुनें।

बुध · बुध · मौजूदा दशा का ध्यान

29 जून 2028 – 17 अक्टू 2028 में बुध के कारण पेशे की जिम्मेदारियों प्रमुख रह सकता है, क्योंकि जन्मकुंडली में यह उसी क्षेत्र में है। इस दौर की जिम्मेदारियों के लिए नीचे दिया निजी अभ्यास चुनें।

सूर्य · संदर्भ अभ्यास · संबंधित होने पर लें

17 अक्टू 2026 को सूर्य का जन्म प्रभाव मित्रों और संपर्कों से जुड़ा है; अगले दो वर्षों में इसकी महादशा या अंतर्दशा नहीं है। इसका अभ्यास पृष्ठभूमि का स्वैच्छिक विकल्प रखें।

चंद्र · संदर्भ अभ्यास · संबंधित होने पर लें

17 अक्टू 2026 को चंद्र का जन्म प्रभाव साझा समझौतों से जुड़ा है; अगले दो वर्षों में इसकी महादशा या अंतर्दशा नहीं है। इसका अभ्यास पृष्ठभूमि का स्वैच्छिक विकल्प रखें।

शुक्र · संदर्भ अभ्यास · संबंधित होने पर लें

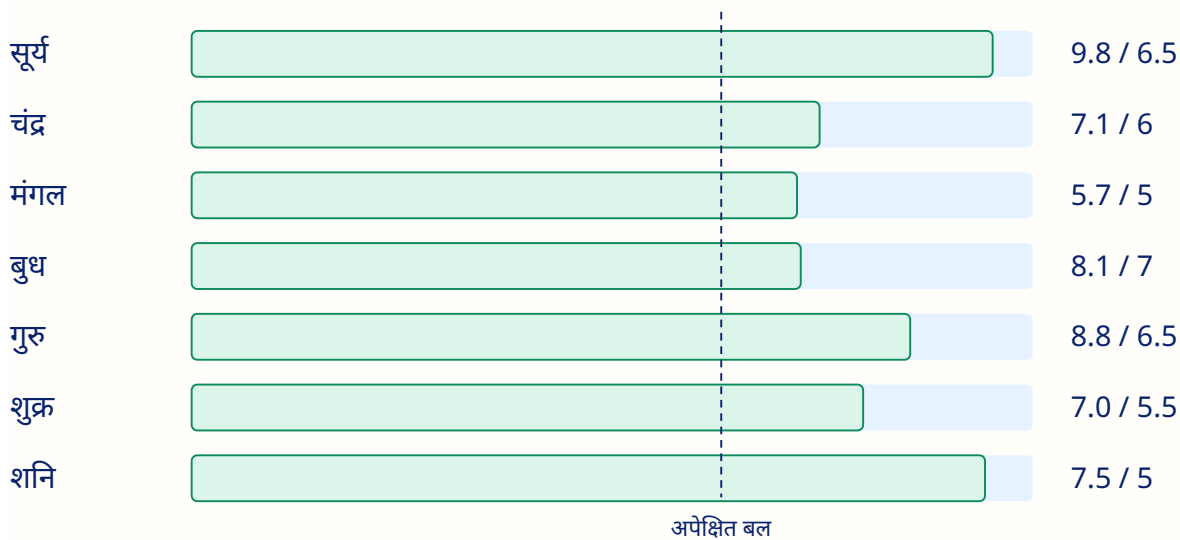
17 अक्टू 2026 को शुक्र का जन्म प्रभाव आगे की पढ़ाई से जुड़ा है; अगले दो वर्षों में इसकी महादशा या अंतर्दशा नहीं है। इसका अभ्यास पृष्ठभूमि का स्वैच्छिक विकल्प रखें।

केतु · संदर्भ अभ्यास · संबंधित होने पर लें

17 अक्टू 2026 को केतु का जन्म प्रभाव घर से दूर के जीवन से जुड़ा है; अगले दो वर्षों में इसकी महादशा या अंतर्दशा नहीं है। इसका अभ्यास पृष्ठभूमि का स्वैच्छिक विकल्प रखें।

आपकी कुंडली के चित्र

षड्बल · ग्रह के अपेक्षित बल से तुलना



संख्या कुल / अपेक्षित रूप बताती है। बिंदीदार रेखा ग्रह का अपना अपेक्षित बल है।

सर्वाष्टकवर्ग · बारह राशियाँ

मेष 35	वृषभ 27	मिथुन 25	कर्क 24	सिंह 24	कन्या 28
तुला 28	वृश्चिक 29	धनु 28	मकर 34	कुंभ 23	मीन 32

राशि के बिंदु योग; रंग वाले खानों में 28 या अधिक हैं।

अभी आपके लिए उपाय

ये स्वैच्छिक सहायक अभ्यास हैं, गारंटी नहीं। ऐसा छोटा अभ्यास चुनें जिसे निभा सकें। AstroHelpDesk से खरीद या उसे दान देना जरूरी नहीं है।

शनि · शांति के उपाय; अपने-आप बल न बढ़ाएँ

रोजमर्रा

एक छोटा कर्तव्य स्थिर गति से करें और आराम की वास्तविक गुंजाइश रखें।

वैदिक परंपरा

गुरु · मिश्रित स्वामित्व · पहले विशेषज्ञ से जाँच

रोजमर्रा

अच्छा सवाल पूछें, सलाह का कारण परखें और उपयोगी ज्ञान बाँटें।

वैदिक परंपरा

सूर्य · कार्यात्मक शुभ ग्रह को सहयोग दें

रोजमर्रा

एक वादा निभाएँ और दूसरे के योगदान का श्रेय दें।

वैदिक परंपरा

चंद्र · शांति के उपाय; अपने-आप बल न बढ़ाएँ

रोजमर्रा

प्रतिक्रिया से पहले ठहरें और पूछें कि वास्तव में कैसा सहयोग चाहिए।

वैदिक परंपरा

बुध · शांति के उपाय; अपने-आप बल न बढ़ाएँ

रोजमर्रा

संदेश की स्पष्टता जाँचें और सीख का एक छोटा काम पूरा करें।

वैदिक परंपरा

शुक्र · शांति के उपाय; अपने-आप बल न बढ़ाएँ

रोजमर्रा

एक साझा अपेक्षा साफ करें और महत्वपूर्ण रिश्ते को बिना जल्दबाजी समय दें।

वैदिक परंपरा

मंगल · कार्यात्मक शुभ ग्रह को सहयोग दें

रोजमर्रा

असहमति से पहले छोटा विराम लें और प्रयास एक उपयोगी काम में लगाएँ।

वैदिक परंपरा

राहु · छाया ग्रह · अपने-आप रत्न नहीं

रोजमर्रा

आकर्षक दावे पर काम से पहले जाँच करें और ध्यान भटकाने वाले माध्यम की सीमा रखें।

वैदिक परंपरा

केतु · छाया ग्रह · अपने-आप रत्न नहीं

रोजमर्रा

अलग होने से पहले एक छोटा काम पूरा करें, फिर शांत मनन की जगह बनाएँ।

वैदिक परंपरा

सामान्य स्वैच्छिक अभ्यास के लिए परंपरागत नवग्रह स्तोत्र चुन सकते हैं। अपनी परंपरा में सिखाया पाठ अपनाएँ; निश्चित फल का वादा न जोड़ें।

विस्तृत रत्न पुस्तक में पूरी अनुकूलता-जाँच है। यहाँ वर्तमान दशा का संक्षिप्त अभ्यास दिया है, ताकि दोनों पुस्तकों का अलग उपयोग रहे।

खरीदने से पहले ज्योतिषी से सलाह लें; स्वीकृति मिलने पर तीन दिन आजमाएँ और अस्वस्थ लगने या स्थिति बिगड़ने पर रोक दें। आकार से अधिक किफायती गुणवत्ता और आराम चुनें; केवल शरीर के वजन से प्रभावी कैरेट तय नहीं होते। रत्न वैकल्पिक हैं और AstroHelpDesk रत्न नहीं बेचता।

स्वास्थ्य, कानूनी या धन संबंधी फैसलों के लिए संबंधित योग्य पेशेवर से सलाह लें। मंत्र, दान या रत्न उस सलाह का विकल्प नहीं हैं।

आपके लिए प्रार्थना की एक परंपरा

आपकी कुंडली में सूर्य के माध्यम से शिव / राम स्वैच्छिक प्रार्थना के पारंपरिक केंद्र हैं। अपने विश्वासों के अनुरूप सहज अभ्यास चुनें।

यदि परिवार में कुलदेवता की परंपरा है तो बड़ों द्वारा पूजे जाने वाले कुलदेवता को पहले मानें। अपनी परंपरा में कुछ शांत मिनट प्रार्थना या मनन भी रख सकते हैं।

सरल दैनिक अभ्यास: सुबह की सामान्य दिनचर्या के बाद शांत बैठें, अपनी परंपरा के अनुकूल हो तो शिव / राम का स्मरण करें और दिन के लिए एक सद्भावपूर्ण काम चुनें।

धर्म देवता की जाँच में चंद्र से कृष्ण / पार्वती का संबंध जीवन के उद्देश्य से जुड़ता है। अलग जन्म-कुंडली तुलना में मंगल से हनुमान / कार्तिकेय / नरसिंह का संकेत मिलता है।

ज्योतिषी दृष्टि · गणना के चरण

सात शास्त्रीय ग्रहों के राशि-अंतर्गत अंशों की तुलना; प्रार्थना स्थान में मौजूद सभी ग्रह शामिल।

जीवन के दौरों के अनुसार आपके उपाय

16 दिस 2025 – 29 जून 2028 (उम्र 35–38): शनि को शांत करने का अभ्यास चुनें; तत्काल ध्यान गुरु की अवधि तय करती है। शनि की जन्म स्थिति इस दौर को रोजमर्रा के काम से जोड़ती है और उसका भाव-स्वामित्व धैर्य तथा सेवा की ओर संकेत करता है; उभरी पंक्ति का छोटा अभ्यास चुनें और बल बढ़ाने वाला रत्न सामान्य योजना में न जोड़ें।

अभ्यास आपकी अपनी महादशा और अंतर्दशा के स्वामी के साथ बदलता है। शुभ स्वामित्व को सहयोग, कठिन स्वामित्व को शांति के उपाय और मिश्रित स्वामित्व में रत्न से पहले जाँच है। वर्तमान पंक्ति अलग दिखाई गई है।

नीचे संदर्भ-सीमा की हर मूल अंतर्दशा है। चरण-सीमा पर अंतराल बाँटे हैं, इसलिए चरण बदलने वाले जन्मदिन को पार करती दशा दोनों संबंधित चरणों में दिखती है।

जन्म और शैशव

बचपन

किशोरावस्था

युवावस्था

मध्य जीवन

सेवानिवृत्ति के पास

आगे के वर्ष

अध्याय 11

दिन 1–7 • निभ सकने वाली दिनचर्या से शुरुआत

पहली सारणी से एक प्राथमिकता चुनें और उसके ग्रह का अभ्यास एक पृष्ठ पर रखें। दिन व्यस्त होने से पहले छोटा नियमित समय तय करें। साफ बैठने की जगह, मंत्र का पाठ और निशान लगाने की पत्रिका रखें। गिनती शुरू करने से पहले उच्चारण धीरे पढ़ें। पहले सप्ताह में बड़े संकल्प से अधिक नियमितता देखें। प्रार्थना के साथ निजी अध्याय का एक काम करें: जिम्मेदारी पूरी करना, सहमति साफ करना या छोटी उपयोगी सेवा। दिन के अंत में सच में पूरा काम चिह्नित करें और परिस्थिति का एक वाक्य लिखें। योजना इतनी छोटी रहे कि व्यस्त दिन भी निभे। सातवें दिन तक समझ आए कि कौन सा समय और जगह दिनचर्या को सबसे सहज बनाते हैं।

अध्याय 12

दिन 8–14 • सही साप्ताहिक पालन जोड़ें

ग्रह के वार पर स्तोत्र या सोचा हुआ दान लें। सामग्री खरीदने से पहले पाने वाले की जरूरत पूछें। काले तिल और उड़द शनिवार की शनि परंपरा में हैं; हरी मूँग और पढ़ाई की सामग्री बुधवार के बुध से जुड़ती है। दान छोटा और नियमित हो सकता है। घर का बजट स्पष्ट रखें और संस्था से देने पर रसीद लें। उपवास चुनें तो स्वास्थ्य, उम्र, दवा और सामान्य जिम्मेदारी के अनुकूल रखें; नियमित भोजन के साथ प्रार्थना भी उपलब्ध विकल्प है। पानी और जरूरी देखभाल बनी रहे। सप्ताह में देखें कि पालन से कुंडली के बताए क्षेत्र में धैर्य, शुद्धता और उदारता कैसे बढ़ी।

अध्याय 13

दिन 15–21 • अभ्यास को असली कठिनाई से जोड़ें

पहली सारणी के निजी कारण पर लौटें और बेहतर उत्तर माँगने वाली एक परिस्थिति लिखें। साझेदारी में मंगल हो तो शांत चर्चा योग्य मतभेद और उसका असली विषय चुनें। शनि के साथ राहु हो तो जाँच और सीमा माँगने वाला वादा, रचना या अनुमान का आकर्षण पहचानें। कठिन शनि चरण में उठाई जिम्मेदारी लिखें और उसे निभाने वाला बनाने के लिए सहयोग पूछें। मौजूदा बुध क्रम में कागज, भुगतान का लेखा और संदेश भेजने से पहले जाँचें। प्रार्थना को इसी उपयोगी काम की शुरुआत बनाएँ और सीधे देखा परिणाम लिखें। इससे चालीस दिन की योजना असली कुंडली और परिस्थिति से जुड़ी रहती है।

दिन 22-28 • दिनचर्या सरल और स्थिर बनाएँ

कठिन दिन को अपनी हार माने बिना पत्रिका देखें। छूटा निशान क्यों रहा: समय, लंबाई, उच्चारण, यात्रा या बहुत बड़ा व्यावहारिक काम? व्यवस्था का एक हिस्सा बदलें और संकल्प स्पष्ट रखें। बढ़ती अनुष्ठान सूची से छोटी नियमित प्रार्थना अधिक निभती है। रुद्राक्ष चुना हो तो पदार्थ और आराम जाँचें; बिल तथा बेची वस्तु का साफ वर्णन रखें। यंत्र में साफ छपे या बनाए रूप को ध्यान का आधार लें और जगह व्यवस्थित रखें। वस्तु अभ्यास में सहायक बने, नई आर्थिक जिम्मेदारी कम बने। नया पालन जोड़ने से पहले एक छूटा व्यावहारिक काम पूरा करें।

दिन 29-35 • संयोग से अधिक आचरण देखें

योजना की शुरुआत और हाल के सामान्य सप्ताह को मिलाएँ। क्या लेखा साफ हुआ, बातचीत शांत हुई, टाली जिम्मेदारी पूरी हुई या उपयोगी मदद दी? अपने काम और दूसरे के उत्तर का नाम लिखें। असंबंधित घटनाएँ अलग रखें ताकि समीक्षा ईमानदार रहे। संबंध की परेशानी बनी हो तो सीधी बातचीत और उचित सहयोग लें। धन कम हो तो सामग्री का खर्च घटाएँ और उपयोगी आचरण जारी रखें। स्वैच्छिक प्रार्थना पूरी अवधि में सरल रह सकती है। देखें दिनचर्या ग्रह के भाव वाले क्षेत्र में कैसे मदद दे रही है: परिवार, पढ़ाई, काम, रचना का विवेक या साझा जिम्मेदारी। दिखाई देने वाले व्यवहार से पक्का सुधार रखें।

दिन 36-40 • संकल्प पूरा करें और आगे का चयन करें

अंतिम पाँच दिन वही निभने वाली दिनचर्या रखें और असली जप जोड़ें। रोज 108 जप के चालीस पूरे दिनों में कुल 4,320 होते हैं। बुध के 9,000 जैसे अलग बड़े परंपरागत संकल्प के लिए अलग गिनती और सही अवधि चाहिए; उसे इस चालीस दिन की शुरुआत से अलग रखें। पूरे व्यावहारिक काम और बाकी ध्यान वाली बात देखें। मदद करने वालों का आभार रखें और तय दान तथा अधूरी जिम्मेदारी पूरी करें। अगले महीने के लिए एक सामान्य आदत चुनें: सही लेखा, शनिवार की सेवा या परिवार की शांत साप्ताहिक बातचीत। पूरी पत्रिका इस तारीख वाले पाठ के साथ रखें ताकि आगे समीक्षा असली अभ्यास से शुरू हो।

चालीस दिन की निशान पत्रिका

रत्न • अलग एक निर्णय

ग्रह को बल देने वाला रत्न खरीदे बिना मंत्र, दान और व्यावहारिक काम चुने जा सकते हैं। रत्न का निर्णय ग्रह के भाव-स्वामित्व से है; जीवन रत्न, भाग्य रत्न, मिश्रित स्वामित्व और टालने वाले चयन के लिए रत्न पुस्तक लें। उपयुक्तता, खर्च और आराम पर विचार करते समय उपाय की योजना प्रार्थना और आचरण से जारी रह सकती है। लेख में दोनों निर्णय अलग रखें: कौन सा अभ्यास करना है और कोई पदार्थ खरीदना है तो कौन सा। इससे वस्तु की कीमत कुंडली के बताए नियमित काम की जगह कम लेती है।

अपनी रत्न पुस्तक पढ़ें

शब्दार्थ • सरल अर्थ

लग्न

जन्म के समय पूर्व में उगती राशि।

महादशा

पारंपरिक दशा चक्र की मुख्य ग्रह अवधि।

अंतर्दशा

महादशा के भीतर छोटी ग्रह अवधि।

भाव

कुंडली के बारह विभागों में से एक, जिससे जीवन का एक क्षेत्र पढ़ा जाता है। इसे घोषित भाव पद्धति के अनुसार समझें।

स्वामी ग्रह

किसी राशि का परंपरागत स्वामी ग्रह। भाव में स्थित राशि का स्वामी उस भाव का स्वामी कहलाता है।

आत्मकारक

इस पुस्तक की सात-ग्रह पद्धति में जन्म राशि के भीतर सबसे अधिक अंश वाला पारंपरिक ग्रह। राहु और केतु इस चयन में शामिल नहीं हैं।

कारकांश

मूल D9 में आत्मकारक की राशि। यहाँ दी प्रार्थना-परंपरा की जाँच में इसे संदर्भ राशि लिया गया है।

इष्टदेवता

स्वैच्छिक व्यक्तिगत प्रार्थना का परंपरागत संकेत; यहाँ इसे कारकांश से बारहवीं राशि से पढ़ा गया है। इससे आपकी धार्मिक पहचान तय नहीं होती।

धर्मदेवता

उद्देश्य से जुड़ा प्रार्थना का परंपरागत संकेत। कारकांश से नौवीं राशि और जन्म लग्न से नौवीं राशि की जाँच अलग-अलग की जाती है।

कुलदेवता

परिवार की पहले से चली आ रही पूजा-परंपरा। इसे कुंडली के स्वैच्छिक सुझाव से पहले रखें; नाम या कुंडली से इसका अनुमान नहीं लगाया जाता।